UNIVERSITY NEWS 20 FEBRUARY 2025

AMAR UJALA

लविवि : कैंटीन में कुलपति ने खाद्य सामग्री की एक्सपायरी तारीख जांची

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी. सैनी ने बृहस्पतिवार को विश्वविद्यालय परिसर के विभिन्न स्थलों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने साइंस कैंटीन, कौटिल्य भवन और ज्योतिर्विज्ञान विभाग का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साइंस कैंटीन में कुलपति ने छात्रों से बातचीत की और खाद्य सामग्री की एक्सपायरी तारीख जांची। कैंटीन संचालक को गुणवत्ता और साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए। कौटिल्य भवन के भूतल पर गंदगी मिलने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तत्काल सफाई के निर्देश दिए। कहा कि साफ-सफाई और अनुशासन से समझौता नहीं होगा। कौटिल्य भवन के मूल्यांकन केंद्र में उन्होंने परीक्षकों से चर्चा कर निष्पक्ष व पारदर्शी मूल्यांकन पर जोर दिया। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी मौजूद रहे। (माई सिटी रिपोर्टर)

मंजरी ने राष्ट्रीय युवा संसद में जमाई धाक

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की बीएड. द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा मंजरी द्विवेदी ने चौथे राष्ट्रीय पर्यावरण युवा संसद-2026 में शानदार उपस्थिति दर्ज कराई। महाराष्ट्र विधानसभा में हुए इस कार्यक्रम का विषय वसुधैव कुटुंबकम और ग्रीन यूथ लीडरशिप रहा। मंजरी ने मॉक संसद में आवास व शहरी कार्य मंत्रालय का प्रतिनिधित्व करते हुए विपक्ष की नेता की भूमिका निभाई। उन्होंने पंच परिवर्तन और जलवायु शासन विषय पर भारत की पारंपरिक पारिस्थितिक अवधारणा जल, जंगल, जमीन, जानवर और जन को आधार बताते हुए विचार रखे। साथ ही स्वच्छ भारत मिशन, स्मार्ट सिटीज मिशन और मिशन लाइफ जैसी योजनाओं की प्रगति पर सवाल उठाए। (माई सिटी रिपोर्टर)

NBT

कौटिल्य भवन में गंदगी देख भड़के कुलपति

NBT न्यूज, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने गुरुवार को कौटिल्य भवन स्थित मूल्यांकन सेल का औचक निरीक्षण किया। प्रथम तल पर गंदगी देख कुलपति बिफर गए और जिम्मेदार अधिकारियों को जमकर फटकार लगाते हुए तत्काल सफाई करवाने के निर्देश दिए। कुलपति ने ज्योतिर्विज्ञान विभाग में शिक्षकों व छात्रों से संवाद किया और फिर साइंस कैंटीन पहुंचे। वहां उन्होंने खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता चखकर जांची और संचालक को स्वच्छता के प्रति सख्त चेतावनी दी। प्रवक्ता मुकुल श्रीवास्तव ने बताया कि कुलपति ने मूल्यांकन केंद्र में निष्पक्ष और पारदर्शी कार्य के निर्देश भी दिए। इस दौरान परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी, प्रो. पंकज माथुर, प्रो. वीके शर्मा और डॉ. श्यामलेश त्रिपाठी मौजूद रहे।

> लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने मूल्यांकन सेल का औचक निरीक्षण किया।

DAINIK JAGRAN

गंदगी देख कुलपति ने अफसरों को दिए निर्देश

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने गुरुवार को विश्वविद्यालय परिसर के विभिन्न स्थलों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने साइंस कैंटीन, कौटिल्य भवन और ज्योतिर्विज्ञान विभाग का दौरा किया। कौटिल्य भवन के भूतल पर फैली गंदगी को देखकर कुलपति ने अधिकारियों को सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साफ कहा कि परिसर की स्वच्छता और अनुशासन विश्वविद्यालय की प्राथमिकता है। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। साइंस कैंटीन के निरीक्षण के दौरान कुलपति ने छात्रों से संवाद किया।

AMAR UJALA

पुस्तक दान से जल रही शिक्षा की मशाल

लखनऊ विश्वविद्यालय की को-ऑपरेटिव लाइब्रेरी में 80 हजार से अधिक पुस्तकों का है भंडार

विनीत चतुर्वेदी

लखनऊ। बढ़ती महंगाई के बीच जब पाठ्यपुस्तकों की कीमतें छात्रों की जेब पर भारी पड़ रही हैं, ऐसे में लखनऊ विश्वविद्यालय की एक अनोखी को-ऑपरेटिव लाइब्रेरी आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए सहारा बनी हुई है। यहां महज ढाई सौ रुपये जमा कर कोई भी छात्र दो सेमेस्टर की सभी जरूरी पाठ्यपुस्तकें जारी करा सकता है और अपनी पढ़ाई आगे बढ़ा सकता है। यह व्यवस्था उन विद्यार्थियों के लिए बड़ी राहत साबित होती है, जिनके लिए हर सेमेस्टर में हजारों रुपये की किताबें खरीद पाना आसान नहीं होता।

250 रुपये जमा कर ले सकते हैं दो सेमेस्टर की पुस्तकें

लविवि में दान की पुस्तकों से चल रही को-ऑपरेटिव लाइब्रेरी। -अमर उजाला

लखनऊ विश्वविद्यालय में साल 1966 में स्थापित यह देश की पहली विश्वविद्यालय को-ऑपरेटिव लाइब्रेरी मानी जाती है। करीब 80 हजार से अधिक पुस्तकों का समृद्ध भंडार यहां उपलब्ध है, जिनमें पाठ्यक्रम से जुड़ी किताबों के साथ कई दुर्लभ और शोधपरक ग्रंथ भी शामिल हैं।

दान का अनोखा मॉडल बनाता है इसे खास : लविवि के प्रवक्ता प्रो. मुकुल श्रीवास्तव ने बताया कि छात्रों और शिक्षकों के स्वैच्छिक पुस्तक दान की परंपरा ने इस पुस्तकालय के संग्रह को लगातार समृद्ध किया है। इस लाइब्रेरी की सबसे बड़ी ताकत इसकी सहकारिता भावना है।

दुर्लभ पुस्तकें हैं मौजूद : इस पुस्तकालय के संग्रह में विज्ञान, कला, वाणिज्य, विधि और प्रबंधन जैसे विभिन्न विषयों की मानक और संदर्भ पुस्तकें शामिल हैं। यहां विदेशी प्रकाशनों की कई ऐसी दुर्लभ किताबें भी उपलब्ध हैं, जो अब बाजार में आसानी से नहीं मिलतीं।

> एक छात्र एक ही वक्त में पांच पाठ्य पुस्तकें जारी करा सकता है और जरूरत के मुताबिक सत्र के दौरान उन्हें बदल भी सकता है और सत्र के दौरान आवश्यकता अनुसार उन्हें बदल भी सकता है। विद्यार्थियों की जरूरत और पाठ्यक्रम में होने वाले बदलाव के अनुसार समय-समय पर नई किताबें भी खरीदी जाती हैं। - **प्रो. राघवेंद्र प्रताप, इंचार्ज,** को-ऑपरेटिव लाइब्रेरी

TIMES OF INDIA

Student is best 'parliamentarian'

Lucknow University student Utkarsh Singh Chauhan was honored with the Best Parliamentarian Award at the National Environment Youth Parliament 2026 in Nagpur. The event provided a national platform for youth to engage in discussions on environmental governance and climate leadership. Sessions focused on 'Panch-Pariwartan and Climate Governance' and India's role at COP30, highlighting civilizational values for sustainable global climate leadership.

VC inspects facilities

Lucknow University vice-chancellor Prof JP Saini conducted an inspection of several facilities on the campus, including science canteen, examination building and the Jyotirvigyan department. He directed officials concerned to maintain cleanliness and hygiene in the canteen. He also reviewed the evaluation processes at the examination building, encouraging examiners to maintain fairness, transparency, and efficiency.

New cell to promote UN SDGs

The Lucknow University on Thursday formed a Sustainable Development Goals (SDG) cell to promote the UN SDGs in a practical and impactful way. The cell aims to integrate global sustainability goals into the university's teaching, research, and administrative activities, ensuring that the institute contributes responsibly to society while aligning with international standards. Ranking cell director Prof Geetanjali Mishra has been appointed as the convenor of the SDG Cell.

NBT

LU : 28 तक फीस जमा कर सकेंगे स्टूडेंट्स

NBT न्यूज, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में सम सेमेस्टर के विद्यार्थी अब 28 फरवरी बिना विलंब शुल्क दिए अपनी फीस जमा कर सकेंगे। पहले यह तिथि 13 फरवरी निर्धारित थी जिसे छात्रों के अनुरोध पर बढ़ाते हुए अब 28 फरवरी कर दिया गया है। इस संबंध में कुलसचिव लखनऊ विश्वविद्यालय डॉ. भावना मिश्रा ने कार्यालय आदेश भी जारी कर दिया है। पत्र कहा गया है कि तय तिथि में शुल्क न जमा करने वाले छात्रों का प्रवेश निरस्त कर दिया जाएगा।

DAINIK JAGRAN

लवि में 17 विभूतियों को आज मिलेगा कर्मयोगी सम्मान

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय कर्मचारी सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा परिषद की ओर से शुक्रवार को मालवीय सभागार में छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती समारोह का आयोजन किया जाएगा। मुख्य अतिथि भाजपा उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी रहेंगे। इस अवसर पर पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त चार विभूतियां सहित कुल 17 विभूतियों को छत्रपति शिवाजी महाराजकर्मयोगी सम्मान से सम्मानित किया जाएगा।

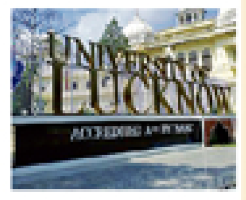

समारोह के संयोजक डा. संजय शुक्ला ने बताया कि सम्मानित किए जाने वालों में फिल्म अभिनेता एवं प्रसिद्ध रंगकर्मी पद्मश्री अनिल रस्तोगी, प्रसिद्ध चिकित्सक और टीवी विशेषज्ञ पद्मश्री डा. राजेन्द्र प्रसाद, प्रसिद्ध आयुर्वेदिक चिकित्सक और विशेषज्ञ पद्मश्री डा. कमल कृष्ण ठकराल और कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए सम्मानित पद्मश्री रामसरन वर्मा शामिल हैं। अन्य विभूतियों में पूर्व सांसद अशोक वाजपेयी, पूर्व राज्यमंत्री राजेंद्र तिवारी, लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. एस.बी. निमसे, डा.शकुंतला मिश्रा विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य संजय सिंह, कल्याण सिंह सुपर स्पेशलियलिटी कैंसर इंस्टीट्यूट के निदेशक प्रो. मदन लाल ब्रम्ह भट्ट, महापौर सुषम खर्कवाल सहित अन्य प्रमुख लोग शामिल हैं। (वि.)

HINDUSTAN

कौटिल्य भवन में गंदगी देख कुलपति नाराज

लखनऊ। एलयू के कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने कौटिल्य भवन स्थित मूल्यांकन सेल पहुंचकर औचक निरीक्षण किया। इस दौरान भवन में प्रथम तल पर गंदगी देखकर वह भड़क उठे और जिम्मेदारों को जमकर फटकार लगाई व साफ-सफाई सुनिश्चित करवाने के निर्देश दिए। कुलपति ने निरीक्षण के दौरान ज्योतिर्विज्ञान विभाग पहुंचे और यहां शिक्षकों और छात्रों से बातचीत की।

> छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर विभूतियों का सम्मान, लखनऊ विश्वविद्यालय, मालवीय सभागार, दोपहर दो बजे।

एलयू में विद्यार्थी 28 तक जमा कर सकेंगे फीस

एलयू में सम सेमेस्टर के विद्यार्थी अब 28 फरवरी बिना विलंब शुल्क दिए अपनी फीस जमा कर सकेंगे। पहले यह तिथि 13 फरवरी निर्धारित थी जिसे अब 28 फरवरी कर दिया गया है। कुलसचिव एलयू डॉ. भावना मिश्रा ने कार्यालय आदेश भी जारी कर दिया है।

VOICE OF LUCKNOW

लविवि की छात्रा ने एनईवाईपी-2026 में रखा प्रभावशाली पक्ष

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की बीएड द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा मंजरी द्विवेदी ने चतुर्थ राष्ट्रीय पर्यावरण युवा संसद (एनईवाईपी)-2026 में राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावशाली भागीदारी दर्ज कराई। कार्यक्रम का आयोजन महाराष्ट्र विधानसभा में वसुधैव कुटुंबकम थीम एवं ग्रीन यूथ लीडरशिप के अंतर्गत किया गया।

इसी मंच पर विश्वविद्यालय के छात्र उत्कर्ष सिंह चौहान, एमए इकोनॉमिक्स (द्वितीय सेमेस्टर), को डेजिग्नेटेड कैबिनेट मिनिस्टर (हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर) की भूमिका निभाने के लिए सम्मानित किया गया। उत्कृष्ट संसदीय प्रस्तुति के लिए उन्हें बेस्ट पार्लियामेंटेरियन अवार्ड से नवाजा गया। विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षाशास्त्र विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हेमेंद्र कुमार सिंह को चतुर्थ एनईवाईपी-2026 के लिए पर्यावरण नोडल अधिकारी नामित किया गया है। डॉ. सिंह के नेतृत्व में इससे पूर्व भी तृतीय राष्ट्रीय पर्यावरण युवा संसद, जयपुर, राजस्थान में सक्रिय भूमिका निभा चुके हैं।

विपक्ष की नेता के रूप में सशक्त प्रस्तुति: मंजरी द्विवेदी ने मॉक संसद में आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय का प्रतिनिधित्व करते हुए विपक्ष की नेता की भूमिका निभाई। प्रथम सत्र में उन्होंने पंच परिवर्तन और जलवायु शासन: आधुनिक नीति ढांचे में भारत की पारिस्थितिक बुद्धि का पुनर्विवेचन विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। द्वितीय सत्र में कॉप-30 में भारत और विश्व: क्या भारतीय सभ्यता के स्थिरता के मूल्य वैश्विक जलवायु के लिए नैतिक नेतृत्व प्रदान कर सकते हैं? विषय पर भी उन्होंने तार्किक एवं प्रभावी वक्तव्य दिया।

योजनाओं की प्रगति पर उठाए प्रश्न: अपने संबोधन में उन्होंने भारत की पारंपरिक पारिस्थितिक अवधारणा–जल, जंगल, जमीन, जानवर और जन–को पंच परिवर्तन की आधारशिला बताया। साथ ही उन्होंने सरकार की प्रमुख योजनाओं जैसे स्वच्छ भारत मिशन, स्मार्ट सिटीज मिशन, मिशन लाइफ की प्रगति पर प्रश्न उठाते हुए कहा कि कई योजनाएं निर्धारित समय में लक्ष्य हासिल नहीं कर पातीं, जिससे शहरीकरण और पर्यावरणीय संतुलन प्रभावित होता है। 2050 की चुनौती और समाधान में मंजरी ने अपने वक्तव्य में उल्लेख किया कि 2050 तक भारत की शहरी जनसंख्या लगभग 951 मिलियन तक पहुंच सकती है, जो अवसरों के साथ गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियां भी लाएगी। उन्होंने सुझाव दिया कि इंफ्रास्ट्रक्चर विकास में इन्वायरमेंटल इम्पैक्ट असेसमेंट को अनिवार्य बनाया जाए। जलवायु परिवर्तन को नीति निर्माण में सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। युवाओं को पंच परिवर्तन की आधारशिला बनाकर नीति क्रियान्वयन में सक्रिय भूमिका प्रदान की जाए।

युवाओं को मिला सशक्त मंच: राष्ट्रीय पर्यावरण युवा संसद देश के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को पर्यावरणीय मुद्दों पर मॉक संसद के माध्यम से अपनी बात रखने का अवसर प्रदान करती है। मंजरी द्विवेदी ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि यह मंच युवाओं को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक, उत्तरदायी और नेतृत्वक्षम बनाता है। विश्वविद्यालय परिवार ने दोनों छात्रों की उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए इसे युवा शक्ति की सकारात्मक पहल बताया है।

I NEXT

कोटिल्य भवन मे गदगी देख भड़के एलयू वीसी

निरीक्षण करते एलयू वीसी प्रो. जेपी सैनी.

कैंटीन में खाने-पीने के सामान की जांच के साथ स्टूडेंट्स से भी की बात

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (19 Feb): एलयू वीसी प्रो. जेपी सैनी ने गुरुवार को यूनिवर्सिटी में कौटिल्य भवन, साइंस कैंटीन और ज्योतिर्विज्ञान विभाग का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली. कौटिल्य भवन के ग्राउंड फ्लोर पर गंदगी देखकर वीसी ने संबंधित अधिकारियों को सफाई सुनिश्चित करने के आदेश दिए. इसके साथ ही प्रो. सैनी ने स्पष्ट किया कि स्वच्छता और अनुशासन यूनिवर्सिटी की प्रायोरिटी है, जिसमें किसी भी तरह की लापरवाही स्वीकार नहीं की जा सकती है. कौटिल्य भवन में वीसी ने एग्जामिनर्स से भी बातचीत की और चेकिंग प्रोसेस को इफेक्टिव बनाने के निर्देश दिए.

कैंटीन का किया निरीक्षण

वीसी ने ज्योतिर्विज्ञान विभाग के निरीक्षण के बाद साइंस कैंटीन पहुंचकर खाने के सामान की एक्सपायरी डेट चेक कीं और स्टूडेंट्स के साथ भी बातचीत की. इस दौरान प्रो. सैनी ने कैंटीन संचालक को हाईजीन मेंटेन करने और फूड क्वालिटी का ध्यान रखने के निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि स्टूडेंट्स की हेल्थ और सुविधा से जुड़ी सर्विसेज में मैक्सिमम स्टैंडर्ड्स सुनिश्चित किए जाएंगे.

AMRIT VICHAR

गंदगी देखकर कुलपति हुए नाराज

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- लखनऊ विश्वविद्यालय कुलपति ने परिसर का किया औचक निरीक्षण
- कैंटीन में उपलब्ध खाद्य सामग्री की एक्सपायरी डेट का किया स्वयं परीक्षण

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने परिसर के विभिन्न स्थलों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने साईस कैंटीन, कौटिल्य भवन तथा ज्योतिर्विज्ञान विभाग का दौरा किया और व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। कौटिल्य भवन के भूतल पर फैली गंदगी को देखकर कुलपति ने तत्काल संबंधित अधिकारियों को सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साईस कैंटीन के निरीक्षण के दौरान कुलपति ने छात्रों से संवाद किया और कैंटीन में उपलब्ध खाद्य सामग्री की एक्सपायरी डेट का स्वयं परीक्षण किया। उन्होंने कैंटीन संचालक को स्वच्छता बनाए रखने और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए सख्त निर्देश दिए। कुलपति ने कहा कि छात्रों के स्वास्थ्य और सुविधा से जुड़ी सेवाओं में उच्चतम मानक सुनिश्चित किए जाएंगे।

कौटिल्य भवन स्थित मूल्यांकन केंद्र में कुलपति ने परीक्षकों से चर्चा की और मूल्यांकन कार्य की प्रगति का अवलोकन किया। उन्होंने परीक्षकों को निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ कार्य करने की प्रेरणा दी तथा मूल्यांकन प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाने के सुझाव दिए।

इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक प्रो. विद्यानंद त्रिपाठी, प्रो. पंकज माथुर, प्रो. अनित्य गौरव, डीन छात्र कल्याण प्रो. बीके शर्मा तथा डॉ. श्यामलेश भी उपस्थित रहे।

सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल सेल की स्थापना

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने सतत विकास लक्ष्यों को संस्थागत रूप से आगे बढ़ाने की दिशा में सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल सेल की स्थापना की है। कुलपति के अनुमोदन से गठित इस प्रकोष्ठ का उद्देश्य संयुक्त देश के निर्धारित सतत विकास लक्ष्यों को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, अनुसंधान एवं प्रशासनिक गतिविधियों में समाहित करना है। ताकि संस्थान सामाजिक उत्तरदायित्व और वैश्विक मानकों के अनुरूप अपनी भूमिका सुदृढ़ कर सके। इस प्रकोष्ठ की समन्वयक के रूप में प्रो. गीतांजलि मिश्रा, निदेशक रैंकिंग सेल को नामित किया गया है। यह सेल विभिन्न विभागों और संकायों के सहयोग से पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समानता, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा संस्थागत पारदर्शिता जैसे महत्वपूर्ण लक्ष्यों पर केंद्रित कार्यक्रम संचालित करेगा।

प्रो. गीतांजलि मिश्रा बनीं सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल सेल की समन्वयक

लखनऊ। विश्वविद्यालय ने सतत विकास लक्ष्यों को संस्थागत रूप से आगे बढ़ाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। कुलपति के अनुमोदन से विश्वविद्यालय में सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल सेल की स्थापना की गई है। इस प्रकोष्ठ का उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित सतत विकास लक्ष्यों को शैक्षणिक, अनुसंधान और प्रशासनिक गतिविधियों में समाहित करना है, ताकि विश्वविद्यालय सामाजिक उत्तरदायित्व और वैश्विक मानकों के अनुरूप अपनी भूमिका निभा सके। इस प्रकोष्ठ के समन्वयक के रूप में प्रो. गीतांजलि मिश्रा, निदेशक, रैंकिंग सेल, को नामित किया गया है। यह प्रकोष्ठ विभिन्न विभागों और संकायों के साथ मिलकर पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समानता, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, और संस्थागत पारदर्शिता जैसे लक्ष्यों पर केंद्रित कार्यक्रमों का संचालन करेगा। लखनऊ विश्वविद्यालय का यह कदम न केवल संस्थागत सुधार की दिशा में है, बल्कि यह समाज और राष्ट्र के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। सतत विकास लक्ष्य प्रकोष्ठ की स्थापना से विश्वविद्यालय की शैक्षणिक और सामाजिक गतिविधियों में नई ऊर्जा का संचार होगा और यह पहल आने वाले वर्षों में विश्वविद्यालय को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अग्रणी बनाने में सहायक सिद्ध होगी।

छात्रों को गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध करायें : प्रो. सैनी

लखनऊ। लविवि के कुलपति प्रो. जेपी. सैनी ने गुरुवार को विश्वविद्यालय परिसर के विभिन्न स्थलों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने साइंस कैंटीन, कौटिल्य भवन तथा ज्योतिर्विज्ञान विभाग का दौरा किया और व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किया।

कौटिल्य भवन के भूतल पर फैली गंदगी को देखकर कुलपति ने तत्काल संबंधित अधिकारियों को सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि परिसर की स्वच्छता और अनुशासन विश्वविद्यालय की प्राथमिकता है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। साइंस कैंटीन के निरीक्षण के दौरान कुलपति ने छात्रों से संवाद किया और कैंटीन में उपलब्ध खाद्य सामग्री की एक्सपायरी डेट का स्वयं परीक्षण किया। उन्होंने कैंटीन संचालक को स्वच्छता बनाए रखने और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए सख्त निर्देश दिए। कुलपति ने कहा कि छात्रों के स्वास्थ्य और सुविधा से जुड़ी सेवाओं में उच्चतम मानक सुनिश्चित किए जाएंगे। कौटिल्य भवन स्थित मूल्यांकन केंद्र में कुलपति ने परीक्षकों से चर्चा की और मूल्यांकन कार्य की प्रगति का अवलोकन किया। उन्होंने परीक्षकों को निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ कार्य करने की प्रेरणा दी तथा मूल्यांकन प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाने के सुझाव दिए।

इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक प्रो. विद्यानंद त्रिपाठी, प्रो. पंकज माथुर, प्रो. अनित्य गौरव, डीन छात्र कल्याण प्रो. वीके शर्मा तथा डॉ. श्यामलेश भी उपस्थित रहे। कुलपति ने सभी अधिकारियों और संकाय सदस्यों से सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया ताकि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक और प्रशासनिक व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाया जा सके। कुलपति प्रो. जेपी सैनी का यह निरीक्षण विश्वविद्यालय में स्वच्छता, अनुशासन और पारदर्शिता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे न केवल छात्रों और शिक्षकों में सकारात्मक संदेश गया है, बल्कि विश्वविद्यालय प्रशासन की प्रतिबद्धता भी स्पष्ट हुई है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ बेहतर सुविधाएं और स्वस्थ वातावरण प्रदान करना ही संस्थान का लक्ष्य है।